फार्मा हब बनने को तैयार उप्र, चार दिग्गज कंपनियों की निवेश में रुचि

- डा. रेड्डीज लैब, नटको फार्मा, वीबीएल व राकवेल इंडस्ट्रीज बड़े निवेश की कर रहीं तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : फार्मा सेक्टर की दिग्गज कंपनियां प्रदेश में बड़े स्तर पर निवेश के लिए उत्सुक हैं। इसी कड़ी में तेलंगाना की चार दिग्गज फार्मा कंपनियों ने प्रदेश में करोड़ों रुपये के निवेश की तैयारी की है। ये कंपनियां ड्रग व मेडिकल पार्कों के विकास के साथ उत्तर प्रदेश को फार्मा सेक्टर का हब बनाने के रोडमैप पर भी कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बीती 18 जनवरी को योगी सरकार ने हैदराबाद में फार्मा कान्क्लेव का आयोजन किया था। इसके माध्यम से उप्र में ड्रग व फार्मा मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और सरकार की फार्मा पालिसी के साथ ही दी जा रहीं सहूलियतों के बारे में प्रचार किया गया। कान्क्लेव के जरिये योगी सरकार ने प्रदेश को ड्रग व फार्मा मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाने की मंशा जाहिर की थी। कान्क्लेव के दौरान राज्य सरकार के प्रतिनिधियों ने इच्छुक निवेशकों के साथ व्यक्तिगत बैठकें करके निवेश का मार्ग प्रशस्त किया था। इसके परिणाम स्वरूप डा. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) में मेडिकल डिवाइस पार्क के पास या नोएडा/ग्रेटर नोएडा में किसी उचित स्थान पर एक बायोटेक प्रयोगशाला और एक विनिर्माण इकाई स्थापित करने में भी रुचि दिखाई है। कंपनी ने ललितपुर में बल्क ड्रग पार्क. के भीतर निवेश के अवसर तलाशने में भी रुचि दिखाई है, जिसके लिए 150 एकड़ से अधिक भूमि की आवश्यकता है।

विंस बायोप्रोडक्ट्स लिमिटेड ने 10–15 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश और लगभग 5–10 एकड़ भूमि की आवश्यकता के साथ मेडिकल डिवाइस पार्क या आसपास के क्षेत्र में सर्पविष रोधी इंजेक्शन के विनिर्माण के लिए एक अनुसंधान प्रयोगशाला स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की है। वहीं, राकवेल इंडस्ट्रीज ने विशिष्ट सहायक इकाइयों को एकीकृत करने के इरादे के साथ मेडिकल डिवाइस पार्क के भीतर एक विनिर्माण सुविधा स्थापित करने में अपनी रुचि व्यक्त की है। उसे संयंत्र स्थापित करने के लिए लगभग 35–40 एकड़ भूमि की जरूरत है व कुल निवेश 400–500 करोड़ होने का अनुमान है।